

Regarding ill-treatment meted out by the police to Shri Ram Sajivan, M.P., Banda Constituency, Uttar Pradesh.\*h

**श्री राम सजीवन (बांदा):** अध्यक्ष महोदय, मैं आपका और पूरे सदन का ध्यान सांसदों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की ओर दिलाना चाहता हूँ। मैं 1967 से लगातार विधायक अथवा सांसद रहा हूँ लेकिन इस समय जो सांसद की हालत है और जिला तथा पुलिस प्रशासन द्वारा उनका अपमान किया जा रहा है, यह हमारे सदन की गरिमा को गिराता है। यह लोकतंत्र के लिये खतरा भी पैदा करता है। इस संदर्भ में मेरे साथ एक घटित घटना की ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ।

अध्यक्ष महोदय, मेरा सांसदीय क्षेत्र बांदा (उत्तर प्रदेश) है जिसमें चित्रकूट मानिकपुर विकास खंड में ग्राम पंचायत का चुनाव हो रहा है। यह अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्र है। मुझे सूचना मिली कि वहाँ के कुछ सामर्थ्यवान लोग और पुलिस प्रशासन मिलकर अनुसूचित जाति के लोगों को उनके अधिकारों से वंचित कर रहे हैं। जब भी वे लोग नामिनेशन दाखिल करने जाते हैं, उनके साथ मारपीट की जाती है और उन्हें भगा दिया जाता है। जब अनुसूचित जाति के लोगों के साथ किये जा रहे इस तरह के अत्याचार की मुझे खबर मिली तो मैं स्वयं उस विकास खंड में पहुँचा। मैंने एस.डी.एम. और डी.एस.पी. से यह सब रोकने के लिये कहा कि गरीब लोगों को उनके अधिकारों से वंचित न किया जाये लेकिन जिला प्रशासन ने कोई कार्यवाही नहीं की। (व्यवधान)

**श्री आदित्यनाथ (गोरखपुर):** अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश का मामला यहाँ नहीं उठाया जा सकता।

MR. SPEAKER: Nothing should go on record except Shri Ram Sajivan's submission.

(Interruptions)\*

**श्री राम सजीवन :** अध्यक्ष महोदय, यह सदन की गरिमा का सवाल है। उस समय पुलिस इंस्पेक्टर कमल सिंह पूरी फोर्स के साथ लोगों से मारपीट कर रहे थे जो नामिनेशन दाखिल करने के लिये आये थे। इस बारे में मैंने एस.डी.एम., बी.डी.ओ. से शिकायत की लेकिन कोई कार्यवाही नहीं की गई। अनुसूचित जाति के लोगों को वहाँ से भगा दिया गया। (व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, यह सत्ता और विपक्ष की बात नहीं है, यह सदन की गरिमा का सवाल है। दरोगा ने मुझ पर हमला किया।

मुझे अपमानित किया गया और मुझे वहाँ से भगा दिया गया। मैं चाहता हूँ कि पुलिस प्रशासन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। अध्यक्ष जी, अगर इस संबंध में प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता तो मैं चाहता हूँ कि मेरे सवाल को प्रिविलेज मोशन के रूप में स्वीकार किया जाए। अध्यक्ष जी, मैं व्यवस्था चाहता हूँ, मेरे

प्रश्न को प्रिविलेज मोशन के रूप में स्वीकार किया जाए। (व्यवधान) यह दलगत सवाल नहीं है। न यह इस पक्ष का सवाल है और न उस पक्ष का सवाल है, यह सदन की गरिमा का सवाल है। (व्यवधान)

**श्री तरित बरण तोपदार (बैरकपुर) :** अध्यक्ष जी, सरकार को इस बारे में कुछ कहना चाहिए, यह एक सांसद के साथ दुर्व्यवहार का मामला है। आप कम से कम इन्क्वायरी का ऑर्डर कीजिए। (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Topdar, I have already given the chance to the hon. Member to speak.

\*Not Recorded.

SHRI TARIT BARAN TOPDAR : Sir, he has spoken. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Three days back also, we have given some direction to the Home Minister in connection with the treatment meted out by Police to one of the hon. Members, Shri Rudy.

SHRI TARIT BARAN TOPDAR : Sir, this is a very serious matter. The Government should take this into account and order for an inquiry. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I have already given the chance to the hon. Member to raise the matter in the House. What is this?

... (Interruptions)

SHRI RAM SAJIVAN : Sir, raising the matter will not do. ... (Interruptions)

SHRI TARIT BARAN TOPDAR : Raising the matter is not enough. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Topdar, please understand that today we are going to discuss the Demands for Grants relating to the Ministry of Home Affairs. You can also raise this matter at that time.

... (Interruptions)

SHRI TARIT BARAN TOPDAR : Sir, it is the question of prestige of the Member of Parliament. ... (Interruptions)

**श्री राम सजीवन :** कुछ दिन पहले श्री रूडी पर हमला हुआ था। (व्यवधान) सत्ता पक्ष के एम.पी. को भी मारा जाता है। (व्यवधान)

**श्री तरित बरण तोपदार :** आप सरकार को दो लफ्ज बोलने के लिए कहिये।

